

(क) शाध का पारभाषा एव स्वरूप

- पारभाषा, साहात्यक शाध का ऱवशषताए, प्रकृात, अनुसंधान और आलोचना, शाध आर सत्यान्वषण, ऱवषयगत आर ऱवषयागत शाध, अनुलाधन्सु आर ऱनदशक का क्षमता, शाध का महत्व।

(ख) शाध क प्रकार

- व्याख्यात्मक शाध, ऐतिहासिक शोध, तुलनात्मक शाध, क्षेत्राय शाध, भाषाताात्वक शाध

(ग) पाठ्यानुसधान का प्राक्रया

- पाठ –संपादन और पाठालोचन

(घ) शाध प्राक्रया

- ऱवषय का चयन, शाध का रूपरेखा, शाध का पद्धात, सामग्रा सकलन, सामग्रा क स्रात, सामग्रा का प्रामाणकता, शाध काय क कम्प्युटर का उपयोग, शाध प्रबध का लखन

(ङ) आतावषयक शाध (Interdisciplinary Approach)

- समाजशास्त्राय, मनावज्ञानक तथा भाषावज्ञानक अध्ययन
- कुल 100 अंक $20 \times 5 = 100$

पाच युानट स पाच प्रश्न । आतारक ऱवकल्प क साथ पूछ जायगा।

वणनात्मक उत्तर का अपक्षा ह।

सदभ - ग्रथ

1. साहात्यक अनुसधान क आयाम
- डॉ. रवान्द्र कुमार जन
प्रकाशक: नशनल पाब्लाशग
हाउस, नइ दल्ला - 11000
2. अनुसधान का प्राक्रया
- संपादक - सावत्रा सन्हा
प्रकाशक: नशनल पाब्लाशग
हाउस, नइ दल्ला - 11000
3. साहात्यक अनुसधान क प्रातमान
- डॉ. देवराज (संपादक)
प्रकाशक: नशनल पाब्लाशग
हाउस, नइ दल्ला - 11000
4. शोध - प्रावाध
- डॉ. वनयमाहन शमा
प्रकाशक: नशनल पाब्लाशग
हाउस, नइ दल्ला - 11000
5. इहन्दा अनुसधान क आयाम
- डॉ. म.ह. राजूरकर
प्रकाशक: नशनल पाब्लाशग
हाउस, नइ दल्ला - 11000
6. शाध प्रस्तुत
- उमा पाण्डय
प्रकाशक: नशनल पाब्लाशग
हाउस, नइ दल्ला - 11000
7. अनुसधान: स्वरूप एव प्रावाध
- डॉ. रामगापाल शमा दनश
प्रकाशक: राजस्थान इहन्दा ग्रथ
अकादमी, जयपुर
8. इहन्दा अनुसधान
डॉ. वजयपाल संह
प्रकाशक: लाकभारता प्रकाशन
इलाहाबाद
9. अनुसंधान - प्रावाध आर क्षत्र
- डॉ. राजमल बोरा
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन नइ
दल्ला
10. रसच मथाडालाजा
- वीरनु प्रकाश शमा
प्रकाशक: पचशाल प्रकाशन,
जयपुर

प्रश्नपत्र -2

हिन्दा लखन आर आभव्याक्त

अंक – 100

समय – 3 घंटे

कोई – 1

(अंक – 20)

(1) हिन्दा वतना क नियम।

(2) शब्दरचना –

समास, उपसर्ग, प्रत्यय, अनकाथा, न्यूनतावाचक, पर्यायवाचक, विरुद्धाथ।

(3) मुहावर एव कहावत।

कोई – 2

(अंक – 60)

(1) अहेवाल लेखन।

(2) पल्लवन।

(3) सक्षपण।

(4) आवदनपत्र / व्यावसायक पत्र।

(5) पुस्तक अवलाकन।

(6) अनुवाद।

कोई – 3

(अंक – 20)

(1) कम्प्यूटर पराचय।

(2) इन्टरनेट का प्रयाग।

सदभ ग्रन्थ सूच

- | | | |
|--|---|-----------------------------|
| (1) व्यावहारक इहन्दा | - | रामाकशार शमा। |
| (2) व्यवहारक इहन्दा व्याकरण तथा रचना | - | डॉ. हरदव बाहरा। |
| (3) प्रयाजनमूलक इहन्दा – पारभाषक शब्दावला | - | डॉ. मधु धवन। |
| (4) प्रयाजनमूलक इहन्दा | - | वनाद गातर। |
| (5) सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद
- स्वरूप एव समस्याए | - | सुरेश सिंहल। |
| (6) प्रयाजनमूलक भाषा आर कायालया इहन्दा | - | डॉ. कृष्णकुमार
गास्वामा। |
| (7) इहन्दा रूपरचना – भाग – 1, 2 | - | आचाय जयन्द्र त्रवदा। |
| (8) मानक इहन्दा व्याकरण आर रचना | - | डॉ. हारवश तरूण। |
| (9) व्यावहारक इहन्दा व्याकरण तथा रचना | - | डॉ. हरदव बाहरा। |
| (10) मानक इहन्दा व्याकरण | - | डॉ. पृथ्वानाथ पाण्डय। |

कोई – 1 हिन्दा साहित्य

(अ) आदकालान, भाक्तकालान तथा रातकालान हिन्दा काव्य का प्रमुख प्रवृत्तया।

(आ) आधुनक हिन्दा साहित्य का प्रमुख वधाआका उदभव आर विकास।

(कावता, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध-आलोचना)

कोई – 2 समाक्षा

(अ) भारताय समाक्षा (रस, अलंकार, रात, ध्वान, वक्राक्त)

(आ) पाश्चात्य समाक्षा (ट्रजडा, काव्यभाषा, बम्ब, प्रताक, मिथक, फन्टसा)

(इ) मुख्य वमश (स्त्रा-वमश, दलित-वमश, अल्पसख्यक समुदाय वमश, आदवासा वमश)

ईकाई 1 से 50 अंक

2 वस्तुत प्रशन $2 \times 5 = 30$

20 वस्तुनष्ट लघुतरा प्रश्न $20 \times 01 = 20$

(वकल्प चुनकर सहा उत्तर आखए) 50

ईकाई 2 से 50 अंक

2 वस्तुत प्रश्न $2 \times 15 = 30$

20 वस्तुनष्ट लघुतरा प्रश्न $20 \times 1 = 20$

(वकल्प चुनकर सहा उत्तर आखए) 50

वृ त म आं तक्क कपर हे गा ।

प्रश्नपत्र का समय 3 घंटे, कुल अंक 100

सदभ ग्रथ

1. ह्य सलहय क इतलहस - संपादक - नगे
2. ह्य सलहय क दू सर इतलहस - बकनसलह
3. इहन्दा साहल्य का इतलहस - इवजयन्द्र स्नातक
4. इहन्दा उपन्यास का इतलहस - गोपाल राय-
5. इहन्दा कहाना का इतलहस - गोपाल राय
6. पाश्चात्तक साहल्य इतन - नलमल जै न - कुसुम बाँड्याँ
7. पा म्क का यश अधु न तनसंदभ - सयद्रे वमल
8. भारतीय एवम् पा म क कायशा - डॉ. गणपतलचं गु
9. इहन्दा साहल्य का प्रवृत्तपरक इतलहस - डॉ. सभापतल मल
10. साहल्यशास्त्र - डॉ. ओमक श गु
11. स्त्रावादा साहल्य इवमश - जगदर च्चु वद
12. नारव द क्श - राकेश कुमार
13. दालत साहल्य साहात्त्यक आर सांकृ त्तल न्नलं ध - डॉ. रामसा द मल
14. दालत साहल्य का सादयशास्त्र - शरणकुमार ललबाले
15. वतु नलन यश - बालेदु शख त्तलार
16. ह्य सलहयः वा - डॉ. शलवसा द शु ल
17. कायशा - भगीरथ मल
18. भारताय काव्यशास्त्र - डॉ. नगेन्द्र
19. भारतीय कायशा का इतलहस - डॉ. बलदेव उपाया य